UP Board Notes Class 6 Hindi Chapter 6 क्यों – क्यों लड़की (मंजरी)

और वाकई, वह अक्टूबर ..... मिलते हैं।

संदर्भ – प्रस्तुत गद्यांश हमारी पाठ्यपुस्तक 'मंजरी' में लेखिका महाश्वेता देवी द्वारा लिखित पाठ 'क्यों-क्यों लड़की से लिया गया है।

प्रसंग – इसमें लेखिका ने एक आदिवासी लड़की मोइना, जो एक अच्छी किन्तु जिद्दी लड़की है, के विषय में लिखा है। मोइना अपनी एक पोशाक लेकर समिति में लेखिका के साथ रहने पहुँच जाती है। समिति की शिक्षिका ने लेखिका को बताया कि मोइना क्यों-क्यों कहने की आदत के कारण बार-बार प्रश्न पूछेगी और आपको तंग करेगी।

व्याख्या – लेखिका अक्टूबर के पूरे महीने में मोइना के प्रश्न पूछने के ढंग 'क्यों-क्यों से परेशान हो उठी। मोइना पूछती कि मैं अपने मालिक की बकरियाँ क्यों चराती हूँ; जबकि वह स्वयं यह काम कर सकता है। उसमें जिज्ञासा है, जिसे शांत करने के लिए वह पूछती है कि मछलियाँ बोलती क्यों नहीं, तारे छोटे क्यों नजर आते हैं और तुम (लेखिका) रात में किताबें क्यों पढ़ती हो आदि। लेखिका ने उसे बताया कि किताबों में तुम्हारे 'क्यों-क्यों' के उत्तर मिलते हैं।

विशेष – लेखिका ने अपनी रचनाओं की कथावस्तुओं में आदिवासियों का जीवन संघर्ष और उनकी पीड़ा का सजीव वर्णन किया है।

पाठका सारांश

मोइना शबर जाति की आदिवासी लड़की थी। शबर लोग यद्यपि गरीब थे, फिर भी कभी शिकायत नहीं करते थे। सिर्फ मोइना सवाल पर सवाल करती थी। गाँव के पोस्टमास्टर ने उसे 'क्यों-क्यों लड़की का नाम दे रखा था। उसकी माँ खीरी उसे अजीब और जिद्दी लड़की कहती थी।

मोइना गाँव के बाबुओं की बकरी चराती थी। वह बाकी कार्य जैसे नदी से पानी लाना, लकड़ी लाना, चिड़िया पकड़ने के लिए फंदा लगाना आदि करती थी। शबर लोग लड़कियों को काम पर नहीं भेजते। मोइना की माँ एक पैर से अपाहिज थी इसलिए मोइना को कार्य पर जाना पड़ता था।

अक्टूबर मास में लेखिका एक महीने समिति के स्कूल में रुकी। मोइना अपने एक जोड़ी कपड़े और नेवले का बच्चा लेकर समिति में रहने के लिए जा पहुँची। समिति की शिक्षिका मालती बोनाल ने लेखिका को बताया कि मोइना का 'क्यों-क्यों' सुनकर आपको परेशानी होगी। सचमुच वह अजीब प्रश्न पूछती है- तारे क्यों छोटे दिखते हैं? तुमे रात में किताबें क्यों पढ़ती हो? लेखिका ने मोइना को बताया कि किताबों में तुम्हारे 'क्यों-क्यों' के जवाब मिलते हैं। अब मोइना ने निश्चय कर लिया कि वह पढ़ना सीखेगी और अपने सारे सवालों के जवाब ढूंढेगी।

मोइना ने स्कूल का समय, जो नौ से ग्यारह बजे तक था, बदलवाने की कोशिश की; क्योंकि वह ग्यारह के बाद ही पढ़ सकती थी। एक शाम लेखिका मोइना के घर गई। मोइना भाई-बहन से कह रही थी कि एक पेड़ काटो, तो दो पेड़ लगाओ। खाने से पहले मुँह-हाथ धोओ। जो इन बातों को नहीं जानते, वे मोइना के विचार में समिति की कक्षा

https://www.evidyarthi.in/

में नहीं जाते। गाँव में प्राइमरी स्कूल खुलने पर मोइना दाखिला लेने वालों में पहली लड़की थी।

अब अठारह साल की मोइना समिति के स्कूल में पढ़ती है। वह पढ़ने में तेज है और सवालों के जवाब देने में आलस्य नहीं करती। अन्य बच्चे भी क्यों का जवाब पूछना सीख रहे हैं। लेखिका मोइना की कहानी लिख रही है। यदि मोइना को पता चल जाए, तो वह पूछेगी- 'क्यों?

https://www.evidyarthi.in/